Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 09-05-2005

Participants : Shandil Dr. (Col.) Dhani Ram

an>

Title: Need to provide insurance cover to apple produce under National Crop Insurance Scheme in Himachal Pradesh.

डॉ. कर्नल (सेवानिवृत्त) धनीराम शांडिल्य (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश "सेब-राज्य" के नाम से जाना जाता है और मेरे संसदीय क्षेत्र शिमला में फल-उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। पिछले कुछ वर्षों में कुछ ऐसे दुखद अनुभव देखने को मिले हैं कि प्रकृति के प्रकोप-वश कभी ओला-वृटि, हिम वृटि, कभी अति-वृटि या अनावृटि तो कभी आंधी तूफान इस प्रकार की आंख मिचौनी होती रही है। कुछ क्षेत्रों में तो प्र ाकृति का यह प्रकोप इतना भयानक था कि ओलावृटि के कारण बागवानों को उनकी बीज की लागत भी हाथ न लगी और इस प्रकार ऐसे किसान-बागवानों को कर्जा उठाकर क्षति की भरपाई करनी पड़ी।

मान्यवर, इस प्रकार की दयनीय अवस्था में किसी भी बागवान का आना अच्छा नहीं माना जाता। इस प्रकार प्रदेश सरकार की समर्थन मूल्य नीति से ऐसे किसानों-बागवानों को कुछ राहत अवश्य मिली है परन्तु जब किसानों को इतनी भारी क्षति का समाना करना पड़े तो ऐसी अ वस्था में इस समस्या का स्थायी समाधान ढूंढ़ना अनिवार्य है। सेब-उत्पादन जहां प्रदेश के बागवानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में सक्षम है, वहीं इससे भूमि संरक्षण, पर्यावरण-सुरक्षा जैसे लाभों द्वारा पूरे देश को भी लाभान्वित किया है।

मेरा केन्द्रीय सरकार से आग्रह रहेगा कि इस प्रकार के प्रकृति के प्रकोप से किसानों, बागवानों को संरक्षण दिया जाए। सेब-उत्पादन राट्रीय कृषि-नीति के अंतर्गत लाकर उसे राट्रीय बीमा योजना के तहत लाया जाए ताकि प्रदेश का सेब-उत्पादन इस योजना का पूर्ण लाभ उठा सके और सेब-उत्पादन न केवल राट्रीय स्तर पर अपितु अंतर्राट्रीय मंडियों में बेचा जा सके।